wells, naturally whatever little production the oil wells are producing, would stop.

The main concern in this regard is the quick completion of the repair work or operation undertaken by the oil producing companies. I am happy to say that recently I have found the trend of the work or operation is gradually improving and we hope to produce a little more. It is a fact that there has been some slackness in exploration and production as far as the Krishna-Godavari area is concerned. Fortunately, it has not been so in Rajasthan. We have found oil in Rajasthan area and in K.G. basin area also. We have stepped up the exploration and production of oil from these areas. I should say that it is not as if we do not have any perspective plan today for producing and exploring oil in these fields. Unfortunately there was some delay in the clearance of certain big projects like Neelam. Fortunately, I can say that we have cleared the project and the contract has been given to a foreign company. We hope when these big fields open up we will be able to improve the situation to a great extent.

महानदी और अमरकंटक एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में खान-पान सुविधाएं

†122. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि महानदी और अमरकंटक एक्सप्रेस रेल गाड़ियों में उपलब्ध खानपान सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं ;

(ख) क्या बेहतर खान-पान सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महानदी और अमरकंटक एक्सप्रेस रेलगाड़ियों सहित सभी लम्बी दूरी की रेलगाड़ियों में भोजनयान उपलब्ध कराने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

†सभा में यह प्रश्न श्री अजीत जोगी द्वारा पूछा गया।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) Catering facilities for passengers by these trains are considered adequate.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

(d) Pantry car service is provided only on selected trains where considered justified and feasible.

श्री अजीत जोगी : सभापति जी, माननीय मंत्री जी के उत्तर में प्रयोग किए गए तीन शब्दों पर आधारित मेरा पहला पूरक प्रश्न है कि मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि इन दोनों रेलों में जो खानपान की सुविधा है वह पर्याप्त है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि पर्याप्त कहने का क्या मापदण्ड है और क्या मानदण्ड है ? यह रेल, माननीय सभापति जी, आप मुझसे अधिक मध्य प्रदेश को जानते हैं, ये दोनों रेलें मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से छत्तीसगढ़ अंचल को जोड़ती हैं आदिवासी अंचल से जाते हुए, अविकसित अंचल से जाते हुए और उनकी समय-सारणी भी ऐसी है कि भोपाल से 4 बजे जब छूटती है तो दूसरे बड़े स्टेशन पर पहुंचने तक इस रेलगाड़ी को केवल आदिवासी और अविकसित रास्ते से ही जाना पड़ता है। एक रास्ते में पहला बड़ा स्टेशन नागपुर है, दूसरे रास्ते में पहला बड़ा स्टेशन जबलपुर है। नागपुर जब तक आएगा, जबलपुर जब तक आएगा, तब तक 11 बज जाते हैं, सोने का समय हो जाता है और यात्रियों को खान-पान की सुविधा बीच के स्टेशनों में; जो सब छोटे स्टेशन हैं, आदिवासी अंचल के स्टेशन हैं, उपलब्ध नहीं हो पाती है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या ऐसी परिस्थिति होते हुए भी वे यह मानते हैं कि इन रेलगाड़ियों में जो खान पान की सुविधा है, पर्याप्त है ?

इस पूरक प्रश्न का दूसरा खंड, इन्होंने अपने उत्तर में यह भी कहा है कि पेन्ट्री कार की सुविधा केवल उन्हीं गाड़ियों में उपलब्ध कराई जाती है, जहां इसे औचित्यपूर्ण तथा व्यावहारिक माना

जाता है। मैं जानना चाहता हूं कि औचित्यपूर्ण और व्यवहारिक किस आधार पर माना जाता है? क्या आदिवासी अंचल में खान-पान की सुविधा उपलब्ध न हो, इसे हमारा रेल मंत्रालय औचित्यपूर्ण और व्यावहारिक मानता है और क्या ऐसे अंचल में भूखे लोग चलते रहें और कोई खान-पान की सुविधा उपलब्ध न हो, इसे हमारा रेल मंत्रालय औचित्यपूर्ण और व्यवहारिक मानता है?

SHRI MALLIKARJUN : Sir, my first answer to this is that catering arrangements are adequate. As regards dinner and breakfast timings, for example, in the Bilaspur-Bhopal train, the dinner is served at Durg at 8.50 P.M., that is 20.50, and breakfast is served at Itarsi at 7.45 A.M.

SHRI AJIT P. K. JOGI : Where do you have dinner when you leave from Bhopal?

SHRI MALLIKARJUN : I am coming to that. Please have some patience. When you leave from Bhopal to Bilaspur, you will have dinner at Amla.

SHRI AJIT P. K. JOGI : Sir, you know what kind of a station Amla is. Amla is an Adivasi village with one thousand population. वहां आप डिनर खिलाना चाहते हैं सबको।

AN HON. MEMBER : The Minister should agree to serve the dinner.

SHRI MALLIKARJUN : Sir, Amla is the place where dinner is served. I do agree that it consists of 1000 Adivasis or so. But the question is whether dinner is served and whether quality is maintained or not. Sir, dinner is being served and quality is maintained. I don't understand why the tribals should be brought into the picture.

SHRI AJIT P. K. JOGI : Sir, the train is passing through the tribal area.

MR. CHAIRMAN : Let him reply.

SHRI MALLIKARJUN : Sir, so far as dinner and breakfast are concerned, they are adequately served. So far as the question on what basis a pantry car is attached, is concerned, it depends on the distance etc. Sir, the running time of Mahanadi is 15 hours and for Amarkantak it is 19 hours. Some routes are there where it takes about 36 hours to 40 hours, i.e. from Guwahati to Bangalore. Sir, we attach pantry cars considering the timings and stoppages so that there should be no difficulty for the long-distance passengers.

श्री अजीत जोगी : माननीय सभापति जी रेल मंत्रालय ने यह घोषणा की है कि अब खान-पान की सुविधा का निजीकरण करने के कदम उठाये जायेंगे। चूंकि मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में यह कहा है कि खान-पान की सुविधा के लिए इन रेल-गाड़ियों में पेंट्री कार नहीं लगायी जा सकती है। इसलिए मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या विकल्प के रूप में वे निजी ठेकेदारों के माध्यम से इन दोनों रेलगाड़ियों में जिनमें वास्तव में कठिनाई होती है, मैं दोनों मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि एकबार इस रेलगाड़ी में चलकर देखें, भोपाल से छत्तीसगढ़ तक जाकर देखें कि आप भूखे रहते हैं, प्यासे रहते हैं, या नहीं? यदि रेल मंत्रालय की तरफ से यह सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकती है तो क्या आप इसका निजीकरण करके निजी ठेकेदारों के माध्यम से यह सुविधा नही उपलब्ध करायेंगे? मैं यह भी जानना चाहूंगा कि लम्बी दूरी की रेलगाड़ियों में खान-पान की सुविधा का निजीकरण करने के सम्बन्ध में अभी तक क्या प्रगति हुई है और इस सम्बन्ध में आपकी क्या नीति है?

SHRI MALLIKARJUN : Sir, the Railways has the greatest responsibility of transportation and operational matters. We have already committed that catering will be privatised. Sir, privatisation is being implemented. We want to privatise it in a phased manner. At the same time, today we have got departmental catering at 72 stations and on 55 trains and contractor-operated sub-stations are 2890 and 35 trains. At the same time there may be an apprehension that if privatisation takes

place what will be the fate of the employees. Sir, the commission vendors and the bearers will be deployed somewhere else, particularly in the commercial department itself.

कुमारी आलिया : सर, मेरा मंत्री जी से यह निवेदन है कि सभी लम्बी दूरी की चलने वाली गाड़ियों में खान-पान की सुविधा किस रेलगाड़ी में उपलब्ध करायी जाये और किसमें नहीं करायी जाये, यह किस आधार पर तय किया जाता है ? सिद्धांत रूप में क्या सभी लम्बी दूरी की चलने वाली गाड़ियों में पेंट्री कार उपलब्ध कराने का कोई प्रस्ताव रेल मंत्रालय में है ? सर, मैं आपका ध्यान उत्तर प्रदेश से गुजरने वाली रेलगाड़ियों की तरफ ले जाना चाहती हूं। मैं आपको यह बताना चाहती हूं कि . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आपने प्रश्न कर लिया है। छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश उसमें सब कवर हो जाता है।

कुमारी आलिया : सर, जिन रेलगाड़ियों में पेंट्री कार है और किसमें नहीं है और जिनमें नहीं, हैं तो उसमें कब तक उपलब्ध करायेंगे ? दूसरा मेरा आपसे यह निवेदन है कि . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : नहीं-नहीं, एक सप्लीमेंट्री आप कर सकती हैं। अब आप छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश चली गयीं। . . . (**व्यवधान**)

कुमारी आलिया : दानापुर एक्सप्रेस है, उसमें कोई पेंट्री कार की सुविधा नहीं है। दूसरे, सर, जम्मू तवी एक्सप्रेस हावड़ा तक जाती है, उसमें भी कोई ऐसी सुविधा नहीं है।

तो मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि यह जो लंबी दूरी की ट्रेन है इसके लिए रेल मंत्रालय का क्या प्रस्ताव है, क्या करना चाहते हैं ?

SHRI MALLIKARJUN : Sir, at the moment, we have provided 92 trains with pantry cars. And in 1992-93, we are taking another 16 trains to be attached with pantry cars.

SHRI SARADA MOHANTY : Mr. Chairman, Sir, pantry car has been provided in 92 trains. But they are selling Uncle Chips and Hajmola. They are not preparing the foods. If they prepare the foods, the quality can be ensured. Also the passengers can get fresh food. May I ask the hon. Minister whether they are going to prepare food in the pantry car or not ? The second question is whether the Railway Minister is going to change the menu. I want to be given only rice or bread. Are they going to change the menu or not ?

SHRI MALLIKARJUN : It is a difficult proposition to meet the individual tastes of all the passengers. However, we are giving more attention to it. We will consider seriously as to how best the quality of food can be maintained. At the same time, menu is prepared according to the routes of the trains. Suppose, the train is running to the South, the Southern dishes are prepared and likewise when it is running to the North, that menu is prepared. But it is very difficult to meet the individual tastes.

श्री लक्खीराम अग्रवाल : सभापति महोदय, जैसा कि मालूम है, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ को राजधानी भोपाल से जोड़ने वाली एक मात्र रेल है। हफ्ते में चार दिन महानदी चलती है-और तीन दिन अमरकंटक चलती है जो कि राजधानी से जोड़ने वाली एकमात्र ट्रेन है। क्या मंत्री जी दोनों ट्रेनों की भीड़-भाड़ और उसकी उपयोगिता को देखते हुए सातों दिन अमरकंटक और महानदी चलाने के लिए विचार करेंगे ? मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि साधारणतः प्रथम श्रेणी तो लगती नहीं है, ए० सी० की बोगी लगती है। राजधानी से संबंध रहने के कारण अधिकांश विधायक, सांसद, एवं अफसर वगैरह इससे आते-जाते हैं। तो क्या एक्स्ट्रा ए० सी० टू टायर बोगी जोड़ने पर मंत्री महोदय विचार करेंगे ?

SHRI MALLIKARJUN : Sir, I will look into what the hon. Member has mentioned.

MR. CHAIRMAN : His first question is whether you will think of increasing the frequency. His second question is whether you will provide more air-conditioned sleeping cars because Members of Parliament travel in that.

SHRI MALLIKARJUN : That is what I am informing the august House, that I will look into the suggestions made by the hon. Member.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : Mr. Chairman, Sir, there is one long distance train, a convenient train, running between Delhi and Patna and that is Shramjivi Express. Mostly, Biharis travel in that train. But neither is there any pantry car not are there any catering facilities in that train. It covers a distance of about 1,000 kms. Will you kindly start the catering system or pantry car in that train because this is the only convenient train from Delhi to Patna that is connecting the capital of the country with the capital of Bihar ?

SHRI MALLIKARJUN : In this particular train, Shramjivi Express, we are going to introduce pantry car this year.

SHRI YASHWANT SINHA : It has already been introduced.

SHRI MALLIKARJUN : We are introducing this in Shramjivi Express ....

MR. CHAIRMAN : He is saying that you are outdated. You have already done it. He is paying his compliments to you.

SHRI MALLIKARJUN : This is what I am saying. In the 16 trains that we have proposed, this is one of the trains.

MR. CHAIRMAN : It is not only proposed but you have already started it. He is complimenting you.

SHRI YASHWANT SINHA : They were going to the private contractors. Once the commission was settled, pantry car was to be attached.

श्री मोहम्मद अमीन : सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि कलकत्ता से दिल्ली तक जो राजधानी ट्रेन है और बंबई से दिल्ली तक जो राजधानी ट्रेन है, इन दोनों का स्टेटस एक है लेकिन दोनों ट्रेनों में खाने में बहुत फर्क है क्वालिटी के एतबार से भी और दूसरे एतबार से भी। यहां तक कि चाय जो देते हैं चाय में भी फर्क है दोनों ट्रेनों में।

†شری محمد امین : سر میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کلکتہ سے دلّی تک جو راجدھانی ٹرین ہے اور بمبئی سے دلی تک جو راجدھانی ٹرین ہے۔ ان دونوں ٹرینوں کا اسٹیٹس ایک ہے لیکن دونوں ٹرینوں میں کھانے میں بہت فرق ہے۔ کوالٹی کے اعتبار سے بھی اور دوسرے اعتبار سے بھی یہاں تک کہ چائے جو دیتے ہیں چائے میں بھی فرق ہے۔ دونوں ٹرینوں میں۔

SHRI JAGESH DESAI : That is correct.

श्री सभापति : एक में दार्जिलिंग, एक में आसाम।

श्री मोहम्मद अमीन : जब किराया एक है और दोनों ट्रेनें अच्छी ट्रेनें समझी जाती हैं तो यह फर्क

†[ ] Translation in Arabic script.

क्यों है, पैसा भी एक लिया जाता है, यह मैं जानना चाहता हूं ।

شری محمد امین: جب کرایہ ہے ایک ہے اور دونوں ٹرینیں اچھی ٹرینیں سمجھی جاتی ہیں تو یہ فرق کیوں ہے۔ پیسہ بھی ایک لیا جاتا ہے۔ یہ میں جاننا چاہتا ہوں۔

SHRI MALLIKARJUN : Sir, greater emphasis is laid on improving ....

श्री राम अवधेश सिंह : ईस्टर्न रेलवे में मान्यवर, खाने-पीने की अच्छी व्यवस्था नहीं है ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : No interruptions, please. Interruptions need not go on record.

SHRI MALLIKARJUN : Sir, great emphasis is laid on improving the quality of the food served to the passengers. In fact, we are constantly monitoring this and I can assure the honourable Member that we will try to improve the quality to the best of our ability.

MR. CHAIRMAN : You will see that there is no difference. That is your promise, I think. Good. Question No. 123. Mr. Afzal.

एल० पी० जी० के जाली सिलेंडरों की सप्लाई

*123. **श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल** : क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश में एल० पी० जी० के जाली सिलेंडरों की सप्लाई का जाल बिछा हुआ है और एल० पी० जी० एजेंसियों की मिलीभगत से ऐसे सिलेंडर दुगनी कीमत पर उपभोक्ताओं को सप्लाई किये जा रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही कर रही है ।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) and (b) While there is no information about a network supplying spurious cylinders, whenever any specific case of spurious cylinders comes to the notice of the Marketing Companies, prompt action is taken in the matter. In addition to issuing caution/warning letter, penal rate of Rs. 1,500 per spurious cylinder is charged against erring LPG Agencies/transporters. The detected spurious cylinders are destroyed.

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : चेयरमैन सर, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उससे तसल्ली नहीं हुई है इसलिए कि मुल्क भर में एक बहुत बड़ा रैकेट काम कर रहा है । मैं मंत्री जी से पहले तो यह जानना चाहता हू कि क्या हिंदुस्तान भर में गैस की जो एजेंसीज़ दी गई हैं उनके जरिए से आपको ऐसी कोई इत्तिला है कि पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हो कि इतने सिलेंडर खो गए हैं। मेरी इत्तिला के मुताबिक मुख्तलिफ एजेंसियां पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराती हैं कि गैस के सिलेंडर खो गए हैं 10, 20, 50, 100 और उसके बाद उन गैस सिलेंडर्स को कंज्यूमर्स को ब्लैक में बेच दिया जाता है 1500 से 2000 रुपए तक में और कंटीन्युअसली उनको डबल रेट

*[ ] Translation in Arabic script.